

मैया करुणामयी (१६)

मां मुझे आंचल में छुपाले, गले से लगा ले,

कि मैया मेरी करुणामयी ।

अब न सताऊंगा, मुझे पास बुला ले, गले से लगा ले,

कि मैया मेरी करुणामयी ॥

भूल मेरी छोटी सी भूल जाओ माता

ऐसे कोई अपनों से रूठ नहीं जाता

रूठे अपने लाल को तू मैया मना ले, गले से लगा ले ॥१॥

ना तो यहां अंधेरा ना कोई ज्योति है

मेरा यहां जीवन दुखों से ओत प्रोत है

तूने मुझे किया है किसके हवाले, गले से लगा ले ॥२॥

कहां तेरा लाड़ वो दुलार तेरा मैया

बार बार कहती थी लाड़ला कन्हैया

आवो लाल गोद बैठ माखन तो खाले, गले से लगा ले ॥३॥

तेरे मधुर बोल मुझे रोज़ यादि आयें
मैया तेरी ममता भला और कहां पायें
लोरी में राधा नाम मोहिं सुनाले, गले से लगा ले ॥४॥

चारों ओर बैरियो ने घेर लिया है
यहां और किसी ने न साथ दिया है
दुखों के घेरे से मैया बचाले, गले से लगा ले ॥५॥

कब तेरे आंचल में खेलूंगा मैया
चूम चूम गाल मेरे लेओगी बलैया
देकर डिठोना डर डीड मिटाले, गले से लगा ले ॥६॥

साई साहिब श्याम को गोकुल में लाए
देखि लाल बाबा मैया कण्ठ से लगाए
गोपियों से आज मैया गीत गवाले, गले से लगा ले ॥७॥